अध्याय - 5 आधुनिक विश्व में चरवाहे

स्मरणीय तथ्य

- बुग्याल प्राकृतिक चरागाह जाड़ों में बर्फ से ढके रहते हैं और अप्रैल के बाद हरे-भरे हो जाते हैं।
- घुमंतू लोग रोजी-रोटी के जुगाड़ में यहाँ से वहाँ घूमते रहते हैं।
- जम्मू और कश्मीर के गुज्जर- बकरवाल समुदाय के लोग भेड़-बकरियों के बड़े-बड़े रेवड़ रखते हैं।
- गुज्जर- बकरवाल 19 वीं सदी में चरागाहों की तलाश में जम्मू और कश्मीर में आये और यहीं बस गये।
- हिमाचल प्रदेश में गद्दी चरवाहा समुदाय रहता है। ये पूरी गर्मी लाहौल और स्पीति में बिताते हैं जबकि जाड़ों में शिवालिक की पहाड़ियों में चले जाते हैं।
- सर्दी-गर्मी के हिसाब से हर साल चरागाह बदलते रहने का यह चलन हिमालय के पर्वतों में रहने वाले बहुत सारे चरवाहा समुदायों में दिखायी देता था।
- यहाँ के भोटिया, शेरपा और किन्नौरी समुदाय के लोग भी इसी तरह के चरवाहे थे।
- गद्दी समुदाय, भेड़ों से ऊन उतारकर उसे बेचते हैं या उससे ऊनी वस्त्र या कंबल बनाते हैं।
- धंगर, महाराष्ट्र का एक चरवाहा समुदाय है।
- पश्चिमी राजस्थान के थार रेगिस्तान वाले इलाके में राइका समुदाय ऊँट पालने के साथ-साथ खेती भी करते थे।
- कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में गोल्ला, कुरूमा और कुरुबा समुदाय चरवाहे का कार्य करते हैं।
- बंजारे, उत्तर-प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई इलाकों में रहते थे।
- राजस्थान के पुष्कर तथा बलोतरा में ऊँटों का प्रसिद्ध मेला लगता है।
- औपनिवेशिक शासन के दौरान चरवाहों की जिंदगी में परिवर्तन आया क्योंकि उनके चरागाह सिमट गये और उनसे ज्यादा लगान लिया जाने लगा।
- अंग्रेज सरकार चरागाहों को खेती की जमीन में बदलना चाहती थी ताकि उसे लगान प्राप्त हो सके।
- अंग्रेजी सरकार ने 1871 ई. में अपराधी जनजाति अधिनियम पारित कर कई समुदायों को कुदरती और जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया।
- बचे-खुचे चरागाहों में चरने वाले जानवरों की तादाद बढ़ने लगी।
- चारे की कमी और अकाल की वजह से कमजोर और भूखे जानवर बड़ी संख्या में मरने लगे।
- अफ्रीका महाद्वीप में दुनिया की आधी से ज्यादा चरवाहा आबादी रहती है।
- बेदुईन्स, बरबेर्स, मसाई, सोमाली, बोरान, तुर्कान आदि अफ्रीका का चरवाहा समुदाय है।
- उन्नीसवीं सदी के आखिर में यूरोप की साम्राज्यवादी ताकतों ने अफ्रीका में अपना उपनिवेश स्थापित कर चरवाहों का जीवन गहरे रूप से प्रभावित किया।
- यूरोपीय लोग बहुत सारे चरागाहों को पार्क का नाम देकर शिकारगाह बना दिये।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. किस क्षेत्र में गुज्जर बकरवाल समुदाय के लोग भेड़-बकरियों को पालतें हैं

a. जम्मु और काश्मीर b. राजस्थान
c. झारखण्ड d. उत्तर-पूर्वी भारत

2. भारत का विशाल प्राकृतिक क्षेत्र बुग्याल किस भाग में स्थित है?

a. दक्षिणी भारत
b. उत्तर-पूर्वी भारत
c. उत्तर भारत के पूर्वी गढ़वाल में
d. मध्य भारत

3. 'घुमंतू' किसे कहतें हैं?

a. एक जगह स्थाई रूप से रहने वाले ।
b. किसी एक जगह टिक कर नहीं रहने वाले।
c. जंगलों में रहने वाले ।
d. इनमें से कोई नहीं।।

4. गुज्जर बकरवाल समुदाय जम्मू कश्मीर क्षेत्र में कब आये?

a. सत्रहवीं शताब्दी b. अठारहवीं शताब्दी
c. उन्नीसवीं शताब्दी d. बीसवीं शताब्दी

5. गुज्जर बकरवाल समुदाय किस महीने में ऊपर से नीचे शिवालिक पहाड़ियों में डेरा डाल लेते हैं?

a. अप्रैल b. जून
c. अगस्त d. सितम्बर

6. 'गद्दी' किस क्षेत्र के चरवाहों का एक समुदाय है?

a. उत्तराखण्ड b. हिमाचल प्रदेश
c. असम d. तमिलनाडू

7. गद्दी चरवाहा समुदाय कौन-सा जानवर पालते हैं?

a. गाय
b. भैंस
c. भेड़-बकरियाँ
d. ऊँट

8. गुज्जर चरवाहा समुदाय कौन-सा जानवर पालते हैं?

a. गाय-भैंस
b. भेंड
c. बकरी
d. ऊँट

9. गढ़वाल और कुमाऊँ के निचले हिस्से के आस-पास पाए जाने वाला शुष्क या सूखे जंगल का इलाका क्या कहलाता है?

a. भाबर
b. बुग्याल
c. खादर
d. बांगर

10. ऊँचे पहाड़ों में स्थित घास के मैदान क्या कहलाते हैं?

a. भाबर
b. बुग्याल
c. खादर
d. बांगर

11. पहाड़ी इलाकों में रहने वाले चरवाहे किस मौसम में निचली पहाड़ियों में आ जाते थे?

a. ग्रीष्म-ऋतु
b. वर्षा-ऋतु
c. शीत ऋतु
d. इनमें से कोई नहीं।।

12. हिमालय के पर्वतों में रहने वाले भोटिया, शेरपा और किन्नोरी समुदाय के लोग कौन-सा कार्य करते थे?

a. कृषि
b. व्यापार
c. लूटपाट
d. चरवाहा

13. 'धंगर' किस क्षेत्र का जाना- माना चरवाहा समुदाय है?

a. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र।
b. झारखण्ड क्षेत्र।
c. दक्षिणी भारत।
d. महाराष्ट्र।

14. 'धंगर' समुदाय कौन सा कार्य करता था?

a. चरवाहे थे।
b. कम्बल और चादर बनाते थे ।
c. भैंस पालते थे ।
d. उपर्युक्त सभी कार्य करते थे ।

15. अक्टूबर के आसपास 'धंगर' समुदाय चरागाह की तलाश में महाराष्ट्र के मध्य पठारों के बीच से कहाँ चले जाते थे?

a. कोंकण तट
b. मध्य भारत
c. दक्षिण भारत
d. पूर्वी भारत

16. रबी फसल किसे कहते हैं?

a. सितम्बर-अक्टूबर में कटने वाली फसलें।
b. मार्च अप्रैल में कटने वाली फसलें।
c. दिसम्बर-जनवरी में कटने वाली फसलें।
d. इनमें से कोई नहीं। ।

17. मॉनसून के आगमन पर बुआई तथा सितम्बर-अक्टूबर में कटने वाली फसलों को क्या कहते हैं?

a. खरीफ़
b. रबी
c. जायद
d. इनमें से कोई नहीं। ।

18. राइका समुदाय किस क्षेत्र से सम्बंधित है?

a. हिमालय के पर्वतीय क्षेत्र।
b. थार रेगिस्तान।
c. मध्य भारत।
d. इनमें से कोई नहीं। ।

19. गोल्ला समुदाय किस क्षेत्र से सम्बंधित है?

a. थार रेगिस्तान से।
b. महाराष्ट्र से।
c. कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश के सूखे क्षेत्रों में।
d. उत्तर-पूर्वी भारत में ।

20. गोल्ला समुदाय कौन से जानवर पालते थे?

a. भेंड-बकरियाँ
b. गाय-भैंस
c. ऊँट
d. सूअर

21. कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सूखे मध्य पठारों में रहने वाली कुरुमा समुदाय कौन-सा कार्य करती थी?

a. भेड़-बकरियाँ पालते थे।
b. हाथ के बुने कम्बल बेचते थे।
c. a और b दोनों।
d. खेती करते थे ।

22. निम्न में से कौन सा चरवाहा समुदाय व्यापार के लिए भी जाना जाता है?

a. बंजारा
b. गोल्ला
c. कुरुमा
d. कुरुबा

23. बंजारा चरवाहा समुदाय किस इलाके में रहते थे?

a. उत्तर-प्रदेश और पंजाब
b. मध्य प्रदेश
c. महाराष्ट्र
d. सभी क्षेत्रों में ।

24. फ्रांसिस हेमिल्टन बुकानन ने किस समुदाय के बारे में वर्णन किया है?

a. बंजारा
b. गोल्ला
c. धंगर
d. राइका

25. राइका समुदाय कौन सा कार्य करती थी?

a. खेती ।
b. ऊँट पालते थे ।
c. भेंड बकरियाँ पालते थे।
d. सभी कार्य करते थे ।

26. पश्चिमी राजस्थान का बलोतरा स्थान किस पशु मेले के लिए विख्यात है?

a. ऊँट
b. बकरी
c. भेंड
d. गाय-भैंस

27. पुष्कर का ऊँट मेला किस राज्य में लगता है?

a. उत्तराखंड
b. राजस्थान
c. झारखण्ड
d. महाराष्ट्र